**Title: Regarding development of Kalna as a Tourist Centre**

**SHRI SUNIL KUMAR MONDAL (BARDHAMAN PURBA):** I want to draw the kind attention of the Hon'ble Minister of Tourism towards the new tourist spots under Kalna. Further there are so many historical places which can be famous tourist place in Kalna falling under my Parliamentary Constituency of Bardhaman Purba (SC).

There are 108 Shiv Mandirs or known as a Nava Kailash, a major attraction built during 1809 and many other Gods at Kalna. I request for the setting up of cottages from Katwa to Kalna along the Damodar river.

Apart from temples, Kalna is also famous for its historical, cultural and religious importance. To make this place more attractive to the visitors and for the development of tourism, it is needed to renovate the old temples and beautify the banks river Ganga which flows near the Kalna town. Thus Kalna may regain its previous importance and become a great tourist center. It may also attract foreign tourists and travellers to earn foreign exchange.

I, therefore, request the Hon'ble Minister of Tourism to take up immediate and necessary steps on the above issue.

***31**

**Title: Regarding lifting of ban on derivative trading in seven agriculture commodities**

**श्री कृपाल बालाजी तुमाने (रामटेक):** सेबी ने कुल आठ कृषि जिंस वायदा पर प्रतिबंध लगा दिया है। इनमें से सात कृषि कमोडिटी फ्यूचर्स को एक साल के लिए बढ़ाया गया है, जबकि कॉटन फ्यूचर्स अस्थायी और अनिश्चित हैं, तुरी पर प्रतिबंध आठ साल से लगा हुआ है। कृषि उत्पादों की कीमतों पर दबाव के कारण किसान आर्थिक संकट में हैं । इन कृषि जिंसों का वायदा दिसंबर 2023 तक बंद रहेगा । देश में सोयाबीन औसतन 5,000 रुपये प्रति क्विंटल और सरसों 5,500 रुपये प्रति क्विंटल की दर से बिक रही है। यदि वायदा खुला होता तो किसानों को मौजूदा रेट से कम से कम 500 से 900 रुपये ज्यादा मिलते । वायदा प्रतिबंध के कारण किसानों को कृषि जिंसों के भविष्य संदर्भ मूल्य की जानकारी नहीं मिल रही है। वर्तमान किसानों को

सोयाबीन 6 हजार की जगह 5 हजार रुपए और कपास 9 हजार की जगह 8 हजार रुपए प्रति क्विंटल बेचना पड़ रहा है।

अतः मेरा सरकार से अनुरोध है कि जिन कृषि जिंसों पर सेबी ने प्रतिबंध लगाया है उन्हें तत्काल वायदा प्रतिबंध से बाहर किया जाय और किसानों को हुए आर्थिक नुकसान से बचाया जाय और उन्हें हुए आर्थिक नुकसान की भरपाई की जाय ।